वन अनुसंधान संस्थान जोधपुर

501. **श्री भंवर लाल पंवार :** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री 29 मई, 1990 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 2154 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर के लिए स्वीकृत 175 व्यक्तियों के स्टाफ का वर्गीकरण क्या है ;

(ख) उक्त स्वीकृत स्टाफ में से कितने पद रिक्त हैं और इन पदों पर नियुक्तियां कब तक कर दिए जाने की संभावना है ;

(ग) वर्ष 1989–90 के दौरान प्रारंभ की गई आठ परियोजनाओं के नाम क्या हैं और प्रत्येक परियोजना की उपलब्धियां क्या हैं ; और

(घ) क्या वर्ष 1990–91 के दौरान इस संस्थान ने अनुसंधान के क्षेत्र में कोई आविष्कार किया है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) वन अनुसंधान, जोधपुर में 175 व्यक्तियों के स्वीकृत स्टाफ का वर्गीकरण इस प्रकार है :—

समूह "क" . .	36
समूह "ख" . .	11
समूह "ग" . .	95
समूह "घ"	33
कुल :	175

एक हिन्दी अधिकारी, एक हिन्दी अनुवादक और एक हिन्दी टाइपिस्ट के पद 1990 में मंजूर किए गए । अतः संस्थान के स्टाफ की कुल स्वीकृत संख्या 178 है ।

(ख) रिक्त पदों की संख्या इस प्रकार है :—

समूह "क" . .	22
समूह "ख" . .	11
समूह "ग" . .	39
समूह "घ" . .	4
कुल :	76

इन पदों को भरने की कार्रवाई पहले ही शुरू कर दी गई है और आशा है कि इन पदों पर शीघ्र ही नियुक्तियां हो जाएंगी ।

(ग) ब्यौरे विवरण में I—दिए गए हैं । (नीचे देखिए) ।

(घ) ब्यौरे विवरण-II में दिए गए हैं। (नीचे देखिए) ।

विवरण I

शुरू की गई आठ परियोजनायें इस प्रकार हैं :—

(1) शुष्क रेतीली मिट्टी पर एलन्थस एक्सेल्सा के रोपण के लिए मृदा, उर्वर तथा नमी प्रबन्ध पद्धतियों का अध्ययन (पाली वन मंडल, डाडिया) ।

(2) अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र में रेतिले टीलों पर वृक्ष लगाने के लिए उर्वरक प्रबंध अध्ययन (अजमेर वन मंडल में पुष्कर) ।

(3) अरावली के निचले ढालुओं पर वृक्ष और झाड़ियां लगाने के लिए नयी और उर्वरक प्रबन्ध अध्ययन (अजमेर मंडल में सावित्री टैम्पल हिल) ।

(4) शुष्क क्षेत्रों में सिंचित वृक्षारोपण वानिकी में मृदा एवं उर्वरक प्रबन्ध अध्ययन (इंदिरा गांधी नहर परि-परियोजना के 1037 आरडी, पर इंदिरा गांधी नहर परियोजना सर्कल के चरण 2 में) ।

(5) भारतीय मरूस्थल की रेतीली मिट्टी पर वृक्ष लगाने के लिए सिंचाई जल प्रबन्ध (इंदिरा गांधी नहर परियोजना 1037 आर०डी०) ।

(6) शुष्क क्षेत्र में वन नर्सरियां लगाने के लिए मृदा और उर्वरक मिश्रण पर अध्ययन ।

(7) शुष्क क्षेत्र वानिकी में कीटों की समस्याओं पर अध्ययन और उनका निराकरण ।

(8) शुष्क क्षेत्र की वृक्ष प्रजातियों में दीमक की समस्या पर अध्ययन और उनका निराकरण ।

परीक्षण (1), (2) और (4) संतोषजनक रूप से चल रहे हैं । परीक्षण (3) अत्याधिक सूखे के कारण सभी पौधों के मर जाने के की वजह से असफल हो गया है । परीक्षण (5) व (6) के अंतर्गत वन विभाग और एक किसान के मध्य अचानक कानूनी समस्या पैदा हो जाने के कारण पौधे नहीं लगाए जा सके । उपयुक्त स्थान मिलने पर इन परीक्षणों को फिर से शुरू किया जाएगा । परीक्षण (7) और (8) के अंतर्गत क्षेत्र की जांच शुरू कर दी गई है और सांख्यिकीय रूप से बनाए गए प्रयोगों को करने के उपाय किए जा रहे हैं ।

विवरण II

1990-91 के दौरान अनुसंधान के क्षेत्र में संस्थान को निम्नलिखित खोज करने का श्रेय प्राप्त हुआ :—

(1) अकासिया प्लानिफ्रोन्स, डल्बर्जिया सिस, अकासिया टार्टिलिस तथा प्रोसोपिस सिनेरेरिया की पौध लगाने के लिए पोलीथीन के गमलों हेतु उपयुक्त मिट्टी के मिश्रण की खोज ।

(2) इन्दिरा गांधी नहर परियोजना के कमान क्षेत्र में सिंचाई जल प्रबन्ध अध्ययन शुरू किए गए हैं तथा प्रारम्भिक जांच से पता चलता है कि सिंचाई के स्पॉट मैथड नालियों और बाढ़ की पद्धतियों से बेहतर है।

(3) ऐलेन्टस एक्सेलसा की अच्छी वृद्धि के लिए फास्फेटिक उर्वरकों के अनुप्रयोग की खोज की गई है।

(4) गुजरात में नीम के नन्हें पौधों पर लासपेरेशिया कोयनिगना (लेपिडोप्टेरा; यूकोस्निडा) के गम्भीर खतरों को प्रायोगिक परिणामों के आधार पर कीटनाशकों के छिड़काव की विधि अपनाकर नियंत्रित किया गया।

(5) पहली बार पेटेलस टेकोमेला, रोहिडा लीफ स्केलेटनाइजर रिकार्ड किया गया । यह जीव कर्कुलियनिडा परिवार के स्योनिना उप-परिवार के जीनस का है और नई प्रजाति के अंतर्गत नया रिकार्ड है।

शुष्क क्षेत्र वानिकी अनुसंधान संस्थान जोधपुर

502. **श्री भंवर लाल पंवार** : क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान, शुष्क क्षेत्र वानिकी अनुसंधान संस्थान, जोधपुर को आवंटित 235.55 लाख रुपए की धनराशि से कितनी राशि किन-किन क्षेत्रों में खर्च की जा चुकी है ;

(ख) क्या इस संस्थान को परियोजनाएं स्वीकृत धनराशि में पूरी हो जाने की संभावना है ; और

(ग) क्या सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कार्यान्वित की जाने वाली परियोजनाओं के लिए आवंटित धनराशि पर्याप्त है ?

जपर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) से (ग) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान व्यय की गई कुल राशि 17.52 लाख रुपए है । जिन क्षेत्रों में धनराशि व्यय की गई है उनके ब्यौरे इस प्रकार हैं :—

व्यय शीर्ष	रुपए लाख में
वेतन व्यय . . .	3.77
यात्रा व्यय . . .	0.43
कार्यालय व्यय . . .	4.94
सामग्री की आपूर्ति . .	8.38
कुल :	17.52